

विषयानुक्रमणिका

प्रथम अध्याय:-	राष्ट्र, राष्ट्रीयता एवं काव्यभाषा का स्वरूप एवं उपादान	1-122
	• राष्ट्र शब्द की व्युत्पत्ति • राष्ट्रीयता • राष्ट्रीयता के पोषक तत्त्व • राष्ट्रीयता का विकास • विश्व में राष्ट्रीयता का विकास • भारत में राष्ट्रीयता का विकास • हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीयता का विकास (क) काव्यभाषा का स्वरूप एवं उपादान • काव्य • भाषा • काव्यभाषा का स्वरूप • काव्यभाषा के भेद- 1. शास्त्रीय काव्यभाषा 2. राष्ट्रीय काव्यभाषा (ग) शास्त्रीय काव्यभाषा • काव्य तत्त्व • काव्य हेतु • काव्य प्रयोजन • काव्य लक्षण • काव्य गुण • काव्य दोष • रस • छंद • अलंकार • ध्वनि सिद्धांत	

	-शब्द-शक्ति (घ) राष्ट्रीय काव्य की भाषा (च) कवि का व्यक्तित्व और भाषा का संबंध	
द्वितीय अध्याय:-	माखनलाल चतुर्वेदी तथा रामधारी सिंह दिनकर के काव्य में युगीन परिस्थितियाँ एवं राष्ट्रीय स्वर	123-198
	(क) युगीन परिस्थितियाँ - राजनीतिक परिस्थिति - सामाजिक परिस्थिति - आर्थिक परिस्थिति (ख) राष्ट्रीय काव्य और राष्ट्रीय कवि - माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय स्वर - रामधारी सिंह दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय स्वर	
तृतीय अध्याय:-	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	199-266
	(क) व्यक्तित्व - जन्म - पारिवारिक जीवन - बाल्यकाल एवं विद्यार्थी जीवन - स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान - व्यवसाय - सम्मान - समग्र व्यक्तित्व का मूल्यांकन (ख) कृतित्व - काव्य रचना - गद्य रचना - निबंध - संस्मरण - कहानी - सम्पादन	

चतुर्थ अध्याय:-	रामधारी सिंह दिनकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	267-324
	(क) व्यक्तित्व • जन्म • पारिवारिक जीवन • बाल्यकाल एवं विद्यार्थी जीवन • स्वतंत्रता संघर्ष में योगदान • व्यवसाय • सम्मान • समग्र व्यक्तित्व का मूल्यांकन (ख) कृतित्व • काव्य रचना • गद्य रचना	
पंचम अध्याय:-	माखनलाल चतुर्वेदी तथा रामधारी सिंह दिनकर की राष्ट्रीय कविताओं की भाषा	325-520
	(क) भाषा का स्वरूप • भाषा • कविता की भाषा • माखनलाल चतुर्वेदी की राष्ट्रीय कविताओं की भाषा • रामधारी सिंह दिनकर की राष्ट्रीय कविताओं की भाषा (ख) शब्द-शक्ति (ग) चित्रात्मकता (घ) ध्वन्यात्मकता (च) कल्पनात्मकता (छ) भावात्मकता	

	(ज) काव्य-गुण (झ) शब्द-समूह (ट) मुहावरे और लोकोक्तियाँ (ठ) कवि का व्यक्तित्व और उनकी भाषा	
	➤ उपसंहार	521-530
	➤ संदर्भ-ग्रंथ सूची	531-543